दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

DSSSB PGT

परास्नातक शिक्षक

इतिहास

सॉल्वड पेपर्स

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन
संपादन एवं संकलन
परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी एवं विनय साहू
सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All rights reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने printed by Digital से मुद्रित करवाकर,
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 395/-

विषय-सूची

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2014

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 30/11/2014) (Tier-I)-------------------------- 3-21

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2015

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 28/06/2015) (Tier-II)------------------------22-53

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2018

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 05/07/2018) Shift-I (Male)-----------------54-86

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2018

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 05/07/2018) Shift-II (Male)-------------- 87-117

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2018

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 27/07/2018) Shift-I (Female) -----------118-141

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2021

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 28/06/2021) Shift-I (Female) -----------142-169

■ दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2021

इतिहास : व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 10/07/2021) Shift-II (Male)-------------170-192

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
परास्नातक शिक्षक (PGT) परीक्षा, 2014 (Tier-I)
इतिहास
व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

(Exam Date : 30.11.2014)

1. The first thing that primitive man learnt was
आदि मानव ने पहले यह सीखा

(a) To make a wheel/पहिया बनाना
(b) To domesticate animals/जानवरों को पालना
(c) To lead a settled life/आबाद जीवन बिताना
(d) To make fire/आग उत्पन्न करना

Ans. (d) : आदि मानव ने सर्वप्रथम अग्नि उत्पन्न करना सीखा था। आदि मानव द्वारा प्रयुक्त आग के चूल्हे के प्रमाण उच्च पुरापाषाण कालीन स्थल मुच्छतला-चिन्तामणी से प्राप्त हुआ है। कुरनूल गुफाओं से मानव अस्तित्व, लुप्त पशु तथा अग्नि के चिन्ह मिले है। नवीन अनुसंधानों से ज्ञात होता है कि मानव द्वारा अग्नि के प्रयोग किए जाने का प्राचीनतम प्रमाण बेलन घाटी (उत्तर-प्रदेश) से प्राप्त हुआ है। यह मध्य पुरा-पाषाण काल से सम्बन्धित है। विश्व में अग्नि का प्राचीनतम प्रमाण कूबीफोरा (केन्या) से प्राप्त हुआ है।

2. Men of the modern type - "Homo Sapiens" appeared in the/आधुनिक प्रकार का मनुष्य - "Homo Sapiens" इस युग में पाया गया

(a) Mesolithic period/ मध्याश्म युग
(b) Upper Paleolithic period/ ऊर्ध्व पुराणाश्म युग
(c) Middle Paleolithic period/ मध्य पुराणाश्म युग
(d) Lower Paleolithic period/ निम्न पुराणाश्म युग

Ans. (b) : आधुनिक प्रकार का मनुष्य 'होमो सेपियंस' (बुद्धिमान मानव/चिंतनशील मानव) ऊर्ध्व पुराणाश्म युग (उच्च पुरापाषाण काल) से सम्बन्धित है। उच्च पुरापाषाण युग की दो प्रमुख विशेषताएँ है– 1. नए चकमक उद्योग की स्थापना 2. प्रज्ञ मानव (होमा सेपियंस) का उद्‌भव। अफ्रीका से आधुनिक मानव का उद्‌भव 1,95000 ई. पू. के लगभग प्राप्त होता है। एशिया से इसके उद्‌भव का प्रमाण 1 लाख ई. पू. के लगभग प्राप्त हुआ है।

3. The Paleolithic man lived on
पुराणाश्मी मनुष्य का जीवन निर्वाह इनसे होता था

1. Hunting / शिकार
2. Fishing/ मछुवाही
3. Cultivation/ ख़ेती
4. Food-gathering/ अन्न-संग्रहण

Choose the correct answer group :
सही उत्तर समूह का चयन कीजिए :

(a) 1, 2, 3
(b) 1, 2, 4
(c) 2, 3, 4
(d) 1, 3, 4

Ans. (b) : पुराणाश्मी (पुरापाषाण काल) मनुष्य का जीवन निर्वाह शिकार, मछुवाही तथा अन्न संग्रहण से होता था। पुरा पाषाणकालीन मनुष्य आखेटक एवं खाद्य संग्राहक था। इस समय मनुष्य को अग्नि का ज्ञान नहीं था और न ही व स्थायी बस्ती में रहते थे। वे पशुओं का माँस कच्चा खाते थे। कृषि का ज्ञान न होने के कारण वे जंगली अनाजों को संग्रहित करके खाते थे। इस काल का मनुष्य उत्पादक न होकर उपभोक्ता था।

नोटः- DSSSB आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) माना है जो कि सही नहीं है।

4. Rober Bruce Foote discovered Paleolithic stone tool in/रॉबर्ट ब्रुस फूट ने इस वर्ष पुराणाश्मी पाषाण औजार खोज निकाले

(a) 1857
(b) 1862
(c) 1863
(d) 1821

Ans. (c) : रॉबर्ट ब्रुस फूट ने 1863 में मद्रास के पल्लवरम नामक स्थान से हस्त कुठार नामक पुरा पाषाण कालीन औजार खोज निकाला था। यह भारत में प्राप्त प्रथम पुरापाषाण कालीन औजार था। रॉबर्ट ब्रुस फूट मूलत: इग्लैण्ड के निवासी थे और व्यावसायिक रूप से पुरातत्वविद एवं भू-वैज्ञानिक थे। उन्हें भारतीय प्रागैतिहासिक पुरातत्व का जनक कहा जाता है।

5. Match the following:/ निम्न जोड़ी बताईयेः

A.	**Paleolithic age पुराणाश्म युग**	**1.**	**Stone-copper tools/पाषाण ताम्र के औजार**
B.	**Mesolithic age मध्याश्म युग**	**2.**	**Polished stone tools/पॉलिशदार पाषाण के औजार**
C.	**Neolithic age नवप्रस्तर युग**	**3.**	**Chipped stone tools/कटे हुए पाषाण के औजार**
D.	**Chalcolithic age ताम्रपाषाण युग**	**4.**	**Microliths सूक्ष्मपाषाण**

Codes:/कोड़ :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	3	2	4	1	(b)	2	3	4	1
(c)	2	3	1	4	(d)	3	4	2	1

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची इस प्रकार है–

1. पुराणाश्म युग – कटे हुए पाषाण के औजार
2. मध्याश्म युग – सूक्ष्मपाषाण
3. नवप्रस्तर युग – पॉलिशदार पाषाण के औजार
4. ताम्रपाषाण युग – पाषाण ताम्र के औजार

6. Which of the following is not correctly matched?
निम्न में से कौन सी जोड़ी सही नहीं है?

(a) Mesolithic period - Microlith industry
मध्याश्म काल सूक्ष्मपाषाण उद्योग
(b) Paleolithic period - Wandering life
पुराणाश्म काल भ्रमण जीवन
(c) Neolithic period - Settled life
नवप्रस्तर काल आबाद जीवन
(d) Chalcolithic period - Food-producing stage
ताम्रपाषाण काल अन्न उत्पादन अवस्था

Ans. (d) : सही सुमेलित युग्म इस प्रकार हैं–

1. मध्याश्म (मध्य पाषाण) काल – सूक्ष्म पाषाण युग
2. पुराणाश्यम (पुरा पाषाण) काल – भ्रमण जीवन
3. नवप्रस्तर काल – आबाद जीवन (स्थाई निवास)
4. ताम्रपाषाण काल – ताँबे के साथ पत्थरों के औजार प्राप्त होना

नोट- अन्न उत्पादन अवस्था का सम्बन्ध नवपाषाण काल से है क्योंकि कृषि की शुरूआत इसी समय हुई थी।

Direction : The following questions consists of two statements one labelled as Assertion (A) and the other as Reason (R), You have to examine these two statements carefully and decide if the Assertion (A) and the Reason (R) are individually true and if so, whether the Reason is a correct explanation of the Assertion. Select Your answer to these items using the code given below:

निर्देशः निम्न प्रश्नों में दो कथन दिये गये हैं, एक को दावा (A) से अंकित किया गया है और दूसरे को कारण (R) । आपको यह दो कथन ध्यानपूर्वक जाँचने है और तय करना है कि, दावा (A) और कारण (R) व्यक्तिगत रूप से सही है और यदि हैं तो कारण में दिया गया स्पष्टीकरण दावे के लिए सही है। निम्न दिये गये कोड का उपयोग कर, अपना उत्तर चयन कीजिए :

7. Assertion (A) : The Himalayas are responsible for making the Indo-gangetic plains a vast well watered garden, swarming with population.
Reason (R) : This was the reason for Asian nomadism.
दावा (A) : हिमालय पर्वत माला यह सिंधु-गंगा नदी के पठारों को भीड़ से भरा एक विशाल पानी से सिंचित उद्यान बनाने के लिए जिम्मेदार है।
कारण (R) : एशियाई खानाबदोशी का यही कारण था।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है लेकिन (R) गलत हैं
(d) (A) is false but (R) is true
(A) गलत हैं लेकिन (R) सही हैं

Ans. (b) : हिमालय पर्वत माला यह सिंधु गंगा नदी के पठारों को भीड़ से भरा एक विशाल पानी से सिंचित उद्यान बनाने के लिए जिम्मेवार है। सिंधु-गंगा के मैदान को उत्तर भारत का हृदय स्थल कहा जाता था। यह क्षेत्र भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का पोषण स्थल था। यहाँ पर गेहूँ, जौ, धान आदि फसलों को उगाया जाता था। अत: सिंधु-गंगा का मैदान एक उपजाऊ क्षेत्र था। इसके विपरीत ऊपरी सिंधु घाटी क्षेत्र में रेगिस्तान (थार रेगिस्तान) तथा किरथर गिरपद शृंखला शामिल थी। इस प्रकार एशियाई खानाबदोशी का कारण भी हिमालय पर्वत माला था। अत: (A) और (R) दोनों सही है। लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं था।

8. Assertion (A) : In Bronze Age the urbanisation took place.
Reason (R) : The disparity between the rich and poor grew.
दावा (A) : कांस्य युग में नगरीकरण हुआ।
कारण (R) : धनवान और गरीबों के बीच की असमता बढ़ी।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है लेकिन (R) गलत हैं
(d) (A) is false but (R) is true
(A) गलत हैं लेकिन (R) सही हैं

Ans. (b) : सिन्धु घाटी सभ्यता को काँस्य युगीन सभ्यता भी कहा जाता है। इस समय हड़प्पा, मोहन जोदड़ो, लोथल, धौलावीरा जैसे स्थलों में नगरीकरण हुआ था। इन नगरों की समृद्धि के कारण धनवान और गरीबों के बीच असमानता नहीं बढ़ी, बल्कि यह असमानता आर्थिक सम्पन्नता के कारण बढ़ी थी। इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

9. Assertion (A) : Ahar practically did not use microlithic tools stone axes or blades but copper objects.
Reason (R) : Art of smelting and metallurgy was known to the people of Ahar from the very beginning as copper was locally available.
दावा (A) : असल में अहाड़ सूक्ष्मपाषाणी औजार, पाषाणी कुल्हाड़ी या धारों का उपयोग नहीं करते थे, लेकिन ताम्र वस्तुओं का करते थे।
कारण (R) : अहाड़ के लोगों को ताम्र के स्थानीय रूप से मिलने से प्रारंभ से ही प्रगलन और धातु कर्म की कला अवगत थी।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है लेकिन (R) गलत हैं
(d) (A) is false but (R) is true
(A) गलत हैं लेकिन (R) सही हैं

Ans. (a) : अहाड़ ताम्रपुरास्थल का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम 1953 में अक्षय कीर्ति व्यास द्वारा किया गया था। अहाड़ के निवासी अन्य पुरास्थलों के समान सूक्ष्मपाषाणी औजार, पाषाणी कुल्हाड़ी या धारों का उपयोग नहीं करते थे। यहाँ से ताम्र निर्मित सपाट कुल्हाडियाँ, चूडियाँ, अंगूठी, शलाका और पत्तरे प्राप्त हुई है। अत: स्पष्ट है कि यहाँ के निवासियों को ताम्बे को गलाने की प्रक्रिया का ज्ञान पहले से ही था। इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

10. Assertion (A) : The Indus people did not use metal money.
Reason (R) : They did not have the technology to make metallic Goddess.
दावा (A) : इंडस (Indus) लोग धातु मुद्रा का उपयोग नहीं करते थे।
कारण (R) : उनके पास धात्वीय सिक्के बनाने की तकनीक नहीं थी।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है लेकिन (R) गलत हैं
(d) (A) is false but (R) is true
(A) गलत हैं लेकिन (R) सही हैं

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता में धातु मुद्रा का उपयोग नहीं होता था क्योंकि उन्हें धात्विक सिक्के बनाने की तकनीक का ज्ञान नहीं था। हड़प्पा सभ्यता के लोग सेलखड़ी निर्मित मुहरों का प्रयोग करते थे। हड़प्पा के कुछ पुरास्थलों से सीमित मात्रा में ताँबे की मुहरों का साक्ष्य प्राप्त होता है। हड़प्पा काल में मुहरों का उपयोग पत्र या पार्सल (थैला) पर छाप लगाने के लिए प्रयुक्त किया जाता था। इन मुहरों पर हड़प्पा लिपि एवं वृषभ, व्याघ्र, हाथी आदि पशुओं के चित्र उत्कीर्ण होते थे। हड़प्पा काल में व्यापार वस्तु-विनियम प्रणाली पर आधारित था जिसके कारण हड़प्पा धात्विक मुद्रा का प्रयोग नहीं किया जाता था। छठी शताब्दी ई.पू. में प्रथम बार चाँदी निर्मित आहत मुद्रायें प्रयुक्त की गई थी। अत: (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

11. Assertion (A) : The Indus People worshipped Mother Goddess.
Reason (R) : Excavations at several Indus sites reveals that Indus people worshipped figures of terracota representing Mother Goddess.
दावा (A): इंडस् लोग देवी माता को पूजते थे।
कारण (R): इंडस् के कई स्थानों के उत्खनन दर्शाते हैं कि, इंडस के लोग देवी माता की मृण्मूर्ति को पूजते थे।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) यह (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है लेकिन (R) गलत हैं
(d) (A) is false but (R) is true
(A) गलत हैं लेकिन (R) सही हैं

Ans. (a) : हड़प्पा पुरास्थलों से बड़ी संख्या में स्त्री-मृण्मूर्ति प्राप्त होती है। जैसे हड़प्पा से प्राप्त एक मृण्मूर्ति में स्त्री के गर्भ से पौधा निकलते हुए दिखाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि लोग पृथ्वी को माता के रूप में पूजते थे। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, बनावली तथा चान्हूदड़ो से प्राप्त असंख्य स्त्री मृण्मूर्तियों से स्पष्ट होता है कि इंड्स (सिन्धु सभ्यता) के लोग देवी माता की पूजा करते थे। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

12. **In which of the following respects, the various Harappan sites have marked uniformity?**
निम्न में से किस तरह से हड़प्पा के विभिन्न स्थलों में समानता पाई जाती हैं?

(a) Agricultural practices /कृषि की प्रथा
(b) Crafts/कारीगरी
(c) Town Planning/नगर आयोजन
(d) Seals/मोहर

Ans. (c&d) : हड़प्पा के विभिन्न स्थलों में समानता मोहरों तथा नगर आयोजन के कारण देखने को मिलती है। इन मोहरों का निर्माण सेलखड़ी, काँचली मिट्टी (फेयांस), चाँदी, गोमेद, चर्ट आदि से किया जाता था। इनका सर्वाधिक प्रचलित आकार वर्गाकार (चौकोर) था। इसके अतिरिक्त बेलनाकार, गोलाकार, घनाकार आदि प्रकार की मुहरें सीमित मात्रा में प्राप्त हुई हैं। मुहरों पर चित्रांकन उत्कीर्ण किया गया है। इनमें से सर्वाधिक चित्रांकन पीपल और एक शृंगी वृषभ का हुआ है। सिंधु सभ्यता की नगर-योजना में काफी हद तक समानता होते हुए स्थानीय विशेषताएँ एवं क्षेत्रीय विभेद मिलते हैं।

13. **The largest number of Harappan sites in post independence India have been discovered in**
स्वतंत्रता के बाद भारत में हड़प्पा के सबसे अधिक स्थल यहाँ खोजे गये

(a) Gujarat /गुजरात
(b) Punjab and Haryana /पंजाब और हरियाणा
(c) Rajasthan / राजस्थान
(d) N. W. Uttar Pradesh/उ. प. उत्तर प्रदेश

Ans. (a) : स्वतंत्रता के बाद भारत में हड़प्पा के सर्वाधिक पुरास्थल गुजरात से खोजे गए हैं। स्वतंत्रता के पश्चात उत्खनित प्रथम पुरास्थल रोपड़ (रूपनगर) था। इस सभ्यता का विस्तार मुख्यत: गेहूँ उपजाऊ क्षेत्रों यथा पंजाब, सिंध एवं गुजरात में अधिक हुआ था। इस सभ्यता के पुरातात्विक स्थलों का सर्वाधिक सांद्रण (80 प्रतिशत) घग्घर-हाकरा क्षेत्र में हुआ था।

14. **The metal most widely used by the Indus Valley people was/इंडस् घाटी लोगों के द्वारा अत्यधिक उपयोग में लाया गया धातु था**

(a) Copper/कॉपर
(b) Bronze/काँसा
(c) Gold and Silver/सोना और चाँदी
(d) Tin/टिन

Ans. (b) : हड़प्पा सभ्यता के लोग काँसा का अत्यधिक उपयोग करते थे। ताँबे में टिन मिलाकर वे काँसे का निर्माण करते थे। ताम्र-काँस्य निर्मित सामग्रियों में भाले, चाकू, छोटे तलवार, नर्तकी, कुल्हाड़ी आदि प्राप्त हुई है। हड़प्पा निवासी तांबा राजस्थान की खेतड़ी ताम्र-खानों से मँगवाते थे तथा टिन का आयात अफगानिस्तान से करते थे। बस्तर एवं हजारीबाग में भी टिन की खानें पाई गई है। सम्भवत: यहाँ से भी टिन का आयात किया जाता था। हड़प्पा स्थलों से प्राप्त काँसे के औजार में तांबे की अपेक्षा टिन की मात्रा कम पाई जाती है। हड़प्पा समाज में कसेरों (कांस्य शिल्पियों) के समुदाय का महत्त्वपूर्ण स्थान था।

15. **Who worked on the decipherment of the Indus Script?**
इंडस् लिपि का अर्थ निकालने का काम किसने किया?

(a) I. Mahadevan /आई. महादेवन
(b) H. D. Sankalia / एच. डी. संकलिया
(c) V. D. Smith / वी. डी. स्मिथ
(d) B. B. Lal / बी. बी. लाल

Ans. (a) : सैंधव (इंडस्) लिपि का अर्थ निकालने का काम आई. महादेवन ने किया था। बी.बी. लाल के वैज्ञानिक अनुसंधान के करण ही यह ज्ञात हो पाया कि सैंधव लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी। सैंधव लिपि के चिन्ह भावचित्रात्मक (पिक्टोग्राफिक) कहलाते थे। लैंग्डन, सी.जे. गैड़, सिड़नी स्मिथ आदि विद्वानों ने इसकी साम्यता संस्कृत भाषा से की है जबकि फादर हेरास, आस्को पार्पोला, महादेवन आदि ने इसकी साम्यता द्रविड़ लिपि से की है।

16. **Which of the following was not a contemporary of the Indus or Harappan Civilization?**
निम्न में से कौन इंडस् या हड़प्पन सभ्यता के समकालीन नहीं था?

(a) Egypt /इजिप्ट
(b) Mesopotomia/मेसोपोटोमिया
(c) Sumer /सुमेर
(d) Greek /ग्रीक

Ans. (d) : हड़प्पा सभ्यता इजिप्ट (मिश्र), मेसोपोटामिया तथा सुमेर के समकालीन थी। हड़प्पा सभ्यता (मेलुहा) का व्यापार दिल्मुन और मकन (मेसोपोटामिया) से होता था। मिश्र एवं मेसोपोटामिया के समान हड़प्पा सभ्यता में भी तांबे के साथ-साथ पाषाण का उपयोग किया जाता था। इसके अतिरिक्त मेसोपोटामिया से एक मुहर प्राप्त हुई है। जिस पर भैंसे का चित्र बना हुआ है। हड़प्पा सभ्यता के समान ही मिश्र की सभ्यता नील नदी के तट पर तथा मेसोपोटामिया की सभ्यता दजला-फरात नदी के तट पर विकसित हुई। 2000 ई. पू. के लगभग ग्रीक में क्रीट का वृहद द्वीप यूरोप में पहली कांस्ययुगीन सभ्यता का केंद्र बना था। इस समय सिन्धु सभ्यता अपने पतन की ओर अग्रसर थी। अत: हड़प्पा सभ्यता ग्रीक सभ्यता के समकालीन नहीं थी।

17. **One aspect of the Harappan life which formed the basis of the Harappan system, but about which very little or nothing is known as**
हडप्पन जीवन का एक पहलू जो हडप्पन व्यवस्था का आधार था लेकिन जिसके बारे में थोड़ा बहुत या नहीं के बराबर मालूम हैं

(a) Rural life/ग्रामीण जीवन
(b) Cattle breeding/पशुपालन
(c) Transport and communication परिवहन और संचार
(d) Demographic/जनसांख्यिक पैटर्न

Ans. (a) : ग्रामीण जीवन हड़प्पन जीवन का मुख्य आधार था किन्तु इसके बारे में जानकारी बहुत कम प्राप्त होती है। हड़प्पा सभ्यता में राजनीतिक संगठन के बारे में भी कम जानकारी प्राप्त होती है। हड़प्पाई लोगों के धार्मिक विश्वास, व्यापार, वाणिज्य, शिल्प उत्पादन, कृषिकर्म, कला, धातु-निर्माण तकनीक आदि के बारे में जानकारी सर्वत्र पाई जाती है किन्तु ग्रामीण जीवन के संगठन के बारे में जानकारी बहुत अल्प मात्रा में या न के बराबर प्राप्त होती है।

18. **Who of the following suggested that Aryans originally lived in Central Asia?**
निम्न में से किसने सुझाव दिया कि आर्यो का मूल स्थान मध्य एशिया था?

(a) Prof. Macdonell/प्रो. मैकडोनाल्ड
(b) Bradenstein/ब्रैडन्स्टीन
(c) Max Muller/मैक्स मूलर
(d) Sir William Jones/सर विलियम जोन्स

Ans. (c) : मैक्स मूलर ने आर्यो का मूल स्थान मध्य एशिया माना है। मैक्स मूलर ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'लेक्चर्स ऑन द साइंस ऑफ लैंग्वुएज' में आर्य उत्पत्ति को मध्य एशिया से जोड़ते हुए 'पितु', 'मातृ' जैसे संस्कृत शब्दों की साम्यता, फादर-मदर (अंग्रेजी), पिदर-मादर (फारसी) तथा पेटर-मेटर (लैटिन) से की है।

19. **The Battle of Ten Kings was fought on the bank of**
'दस राजाओं की लड़ाई' इस नदी के तट पर लड़ी गई

(a) Sutlej/सतलज (b) Jhelum/झेलम
(c) Sindhu/सिंधु (d) Ravi/रावी

Ans. (d) : दस राजाओं की लड़ाई (दशराज्ञ युद्ध) वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब में परूष्णी (रावी) नदी के किनारे लड़ा गया था। इसका उल्लेख ऋग्वेद के सप्तम मण्डल में हुआ था। इस युद्ध में पुरू के नेतृत्व में 10 आर्य राजाओं ने भरत जन के राजा सुदास के साथ युद्ध किया था। इस युद्ध में राजा 'पुरूकुत्स' मारे गए। इस युद्ध में पुरू कबीले के पुरोहित विश्वामित्र थे तथा भरत (गित्सु) कबीले के पुरोहित ऋषि वशिष्ट थे।

20. **'Askini' is the ancient name of which river?**
किस नदी का प्राचीन नाम 'असकीनी' थी?

(a) Saraswati/सरस्वती (b) Beas/ब्यास
(c) Chenab/चेनाब (d) Ghaggar/घग्गर

Ans. (c) : ऋग्वेद के नदी सूक्त में विभिन्न नदियों के नामों का उल्लेख किया गया है– सिन्धु (सिन्धु नदी), सरयू (हरिरूद), रसा (पंजशिर), कुभा (काबुल), क्रमु (कुर्रभा), वितस्ता (झेलम), अस्किनी (चेनाब), परुष्णी (रावी), विपाशा (व्यास), शतुद्री (सतलज), सरस्वती आदि।

21. **Which of the following Vedas is the oldest?**
निम्न वेदों में से सबसे पुरातन वेद कौन सा है?

(a) Rig Veda /ऋग्वेद
(b) Sama Veda /सामवेद
(c) Yajur Veda /य़जुर्वेद
(d) Atharva Veda / अथर्ववेद

Ans. (a) : सबसे पुराना वेद ऋग्वेद है। इसके पश्चात उत्तर वैदिक काल में यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद की रचना की गई। वेदों को 'श्रुति' की श्रेणी में रखा गया है तथा ये अपौरूषेय और निरूक्त है जिन्हें ऋषियों द्वारा आत्मसात किया गया है।

22. **Match the following:/निम्न की जोड़ियाँ बनाईये :**

	Vedanga/ वेदांग		Subject/विषय
A.	Kalpa/क़ल्प	1.	etymology व्युत्पत्ती
B.	Nirukta/निरूक्त	2.	grammar व्याकरण
C.	Vyakarana/व्याकरण	3.	ritual/धर्मविधि
D.	Siksha/ शिक्षा	4.	Pronunciation उच्चारण

Code:/कोड :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	3	1	4	(b)	1	2	3	4
(c)	4	3	2	1	(d)	3	4	1	2

Ans. (*) : सही सुमेलित सूची इस प्रकार है:–

(वेदांग)		(विषय)
1. कल्प (वेद का हाथ)	–	धर्मविधि/कर्मकाण्ड
2. निरूक्त (वेद के स्रोत)	–	व्युत्पत्ती
3. व्याकरण (वेद का मुख्य)	–	व्याकरण (ग्रामर)/शब्दों की मीमांसा करना
4. शिक्षा (वेद की नासिका)	–	उच्चारण (वैदिक स्वरों का शुद्ध उच्चारण)

नोट- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर (c) माना है जो कि सही नहीं है।

23. The term "Vedanta" is used for which Vedic test?/''वेदांत'' शब्द कौन से वैदिक विषय के लिए उपयोग किया जाता हैं?

(a) Aranyakas/अरण्यक (b) Upanishads/उपनिषद

(c) Brahmanas/ब्राह्मण (d) Smritis/स्मृति

Ans. (b) : 'वेदांत' शब्द का प्रयोग 'उपनिषद' के लिए किया जाता है। उपनिषद का अर्थ है– उप (गुरु के पास) + नि (शिष्य का) + षद् (बैठना) अर्थात गुरु के पास बैठकर जो शिष्य ज्ञान प्राप्त करता है उसे उपनिषद् कहते है। उपनिषद वैदिक साहित्य का अंतिम भाग होने के कारण वेदांत कहलाता है। भारतीय दर्शन का प्रारम्भ आरण्यक ग्रंथों से होता है इसकी चरम अवस्था चरम उपनिषदों में दिखाई देता है। इनका प्रमुख विषय 'आत्म विद्या' एवं 'ब्रह्म विद्या' है। इनकी रचना गंगाघाटी में हुई थी और इनकी कुल संख्या 108 है।

24. The name "Aghnya" (not to be killed) mentioned in many passage of the Rig Veda applies to
ऋग्वेद के बहुत सारे परिच्छेदों में बताया गया शब्द ''अघन्य'' (जिसे मारा नहीं जाता) इसको लागू होता है

(a) Priest/पुरोहित (b) Women/स्त्री

(c) Cows/गाय (d) Brahmanas/ब्राह्मण

Ans. (c) : ऋग्वेद के बहुत सारे परिच्छेदों में 'गाय' के लिए 'अघन्या' (जिसे मारा नहीं जाता) शब्द का प्रयोग मिलता है। ऋग्वेद के कुछ परिच्छेदों गाय के लिए अष्टकर्णी शब्द का प्रयोग किया गया है। वैदिक काल में अधिकांश युद्ध गायों के लिए किये जाते थे इसलिए गाय के लिए गवेषण, गव्य, गभ्य आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता था। वैदिक काल में गाय को 'गाँव देवता' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया था। इसलिए वैदिक काल में गाय की महत्ता होने के कारण ही उसे 'अघन्या' कहा गया।

25. Which Sutra deals with the rules relating to big sacrifices?/बड़े बलिदान से जुड़े नियमों के बारे में कौन सा सूत्र सम्बन्धित है?

(a) Dharmasutra /धर्मसूत्र

(b) Grihyasutra / गृह्यसूत्र

(c) Srautasutra / सृतसूत्र

(d) Sulvasutra / सुल्वसूत्र

Ans. (c) : बड़े बलिदान (यज्ञीय विधि) नियमों के बारे में विस्तृत चर्चा श्रौत सूत्र (सृतसूत्र) में मिलता है। उत्तर वैदिक काल के अन्त में वैदिक साहित्य को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सूत्र साहित्य की रचना की गई। सूत्र साहित्य का उद्भव 'कल्प' नामक वेदांग से हुआ था। इनका वर्गीकरण तीन भागों में किया गया था:–

प्रथम– श्रौत सूत्र- यज्ञीय विधि-विधान की चर्चा।

द्वितीय- गृह्यसूत्र- गृहस्थों के लिए कर्मकाण्डों एवं यज्ञों का वर्णन।

तृतीय– धर्म सूत्र- राजनीति, विधि एवं व्यवहार से सम्बन्धित विषयों का विवरण।

नोट- शूल्व सूत्र में यज्ञ की वेदी के निर्माण से सम्बन्धित ज्यामितीय ज्ञान दिया गया है। शूल्व का अर्थ है नापने की रस्सी। यह श्रौत सूत्र का भाग है।

26. Match the following:/ निम्न में जोड़ियाँ बनाईए :

Officer/अधिकारी		Function/कार्य	
A.	Suta/सूत	I.	Treasurer/खजांची
B.	Samgrahitri संग्रहिती	II.	Carpenter/बढ़ई
C.	Bhagadugha भगदुघ	III.	Collector of taxes क़र संग्राहक
D.	Takshan/ तक्षण	IV.	Charioteer/ सारथी

Codes :/कोड़ :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	I	III	IV	II	(b)	III	II	I	IV
(c)	IV	I	III	II	(d)	II	IV	III	I

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अधिकारी)		**(कार्य)**
1. सूत	–	सारथी/ इतिवृत्ती का संकलन करने वाला
2. संग्रहित्री (कोषाध्यक्ष)	–	खजांची
3. भागदुघ/भागदुघ (वित्तमंत्री)	–	कर संग्राहक
4. तक्षण	–	बढ़ई

27. The ploughed land in the vedic period was termed as
जोती हुई जमीन को वैदिक काल में कहा जाता था

(a) Urvara/उर्वर

(b) Yava/यव

(c) Dhanya/धान्य

(d) None of the above /इनमें से कोई नहीं

Ans. (d) : ऋग्वेद में हल के फाल से जुती हुई भूमि को 'सीता' कहा गया है। ऋग्वेद में लांगल, सीर (हल के लिए), फाल, सीता (जुती हुई भूमि) आदि शब्दों का प्रयोग मिलता है जबकि उर्वर शब्द का प्रयोग कृषि योग्य भूमि के लिए प्रयुक्त किया गया है। ऋग्वेद में केवल एक अनाज यव (जौ), धान्य (अनाज) का उल्लेख 15 बार मिलता है।

नोट- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना है जो कि सही नहीं है।

28. The four fold division of society is expressly mentioned in/समाज के चार प्रकार के भागों को स्पष्ट रूप से इसमें बताया जाता है

(a) Yajur Veda/यजुर्वेद
(b) Satapatha Brahmana/शतपथ ब्राह्मण
(c) Hiranyagarbha-Sukta/हिरण्यगर्भ सुक्त
(d) Purusha-sukta of Rig Veda
ऋग्वेद का पुरूष-सूक्त

Ans. (d) : समाज के चार प्रकार के भागों का उल्लेख ऋग्वेद के पुरुष-सूक्त में मिलता है। प्राचीन भारत की सामाजिक व्यवस्था के बारे में वर्णन ऋग्वेद के दसवें मण्डल के पुरुष सूक्त भाग में मिलता है। इसमें ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है। इसमें कहा गया है कि चारों वर्गो की उत्पत्ति विराट पुरुष द्वारा एक महान यज्ञ में आहुति दिए जाने के परिणामस्वरूप हुई थी।

29. Prof. Jacobi is of the view that Rig Veda must have been written in
प्रो. जाकोबी का मत है कि ऋग्वेद को लिखा गया था
(a) Before 1000 B.C. / ई.पू. 1000 के पहले
(b) 2nd Century B.C./ ई.पू. दूसरी सदी
(c) 1200 B.C. / ई. पू. 1200
(d) Third millennium B.G./ ई. पू. का तीसरा मिलिया

Ans. (d) : जर्मन विद्रान जैकोबी ने ज्योतिष विज्ञान के आधार पर ऋग्वेद की रचना 4520 ई.पू. से 2500 ई. पू. (तीसरी सहस्त्राब्दी ई. पू.) में हुआ माना था। प. बाल गंगाधर तिलक का भी यही मत है। मैक्समूलर ने ऋग्वेद की रचना का समय 1200 ई. पू. से 1000 ई. पू. के लगभग माना था। विन्टरनित्स के अनुसार वैदिक साहित्य की रचना 2500 ई. पू. के लगभग की गई थी। अधिकांश विद्वानों ने ऋग्वेद की रचना का समय 1000 ई. पू. के लगभग सर्वसम्मति से स्वीकार किया है। क्योंकि इसी तिथि पर अवेस्ता की रचना की गई थी।

30. In which book the lending of money on interest is condemned?/किस किताब में ब्याज पर पैसे उधार देने की निन्दा की गई हैं?
(a) Dharmsutra/धर्मसूत्र
(b) Ritisutra/रितिसूत्र
(c) Buddhist text/बौध्द पाठ्य
(d) Jain text/जैन पाठ्य

Ans. (a) : धर्मसूत्र में ब्याज पर पैसे उधार देने की निन्दा की गई है। बौधायन धर्मसूत्र में ऋण संबंधी नियमों के अन्तर्गत ब्याज की विस्तृत व्याख्या मिलती है। बौधायन ने ब्याज पर धन देकर जीविका चलाने वाले व्यवसाय को निंदनीय माना है। उन्होंने केवल वैश्यों को ही ब्याज पर धन देकर जीविका चलाने की अनुमति दी थी तथा ब्राह्मणों को इससे दूर रहने के लिए कहा था।

31. According to Puranas who was the founder of the Magadhan dynasty?/पुराणों के अनुसार मगध राजवंश का संस्थापक कौन था?
(a) Bimbisara / बिंबिसार
(b) Shishunaga /शिशुनाग
(c) Brihadratha / बृहद्रथ
(d) None of these / इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : महाभारत एवं पुराणों के अनुसार मगध में प्रथम राजवंश की स्थापना बृहद्रथ या बार्हद्रथ वंश ने की थी। इस वंश के राजा जरासंध ने गिरिव्रज को अपनी राजधानी बनाई थी। पुराण के विपरीत बौद्ध ग्रंथों में बृहद्रथ वंश का कोई भी उल्लेख नहीं मिलता है। बौद्ध ग्रंथों में मगध राजवंश का वास्तविक संस्थापक हर्यंक वंश के राजा बिंबिसार को माना गया है। हर्यंक कुल के लोग नागवंशों की उपशाखा थी।
नोट- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना है जो कि सही नहीं है।

32. Who was the last ruler of Nanda dynsty, defeated by Chandragupta Maurya?
नंद राजवंश का आखिरी शासक कौन था, जिसे चन्द्रगुप्त मौर्य ने पराजित किया?
(a) Ugrasena/उग्रसेन
(b) Dhan Nanda/धन नंद
(c) Das Siddhak/दास सिध्दक
(d) Mahapadmananda/महापद्मानंद

Ans. (b) : नंद राजवंश का अंतिम शासक (घननंद) था। वह सिकन्दर का समकालीन था। उसे यूनानी लेखकों ने 'अग्रमीज' (उग्रसेन का पुत्र) कहा है। जेनोफोन ने उसे एक धनाढ्य व्यक्ति कहा है। घनानन्द को पराजित करके चन्द्रगुप्त मौर्य ने 322 ई. पू. में मौर्य राजवंश की स्थापना की।

33. Where was the first Jain Council held around the third Century B.C.?/इ.पू. तीसरी सदी के आसपास पहली जैन परिषद् कहाँ आयोजित हुई?
(a) Vallabi/वल्लबी
(b) Vaishali/वैशाली
(c) Pataliputra/पाटलीपुत्र
(d) Jrimbhikagrama/जृंभिकाग्राम

Ans. (c) : ई. पू. तीसरी सदी (300 ई. पू.) के लगभग चन्द्रगुप्त मौर्य के समय पाटलीपुत्र में प्रथम जैन परिषद् (संगीति) का आयोजन किया गया था। इसकी अध्यक्षता स्थूलभद्र नामक स्थविर ने किया था। इस सभा में 14 पूब्बों (प्राचीनतम जैन ग्रंथ) का 12 अंगों में सम्पादित किया गया था। इसी समय जैन धर्म का विभाजन श्वेताम्बर एवं दिगम्बर नामक दो सम्प्रदायों में हुआ। द्वितीय जैन परिषद का आयोजन 513 ई. में वल्लभी (गुजरात) में हुआ था।

34. According to the Jaina tradition Neminatha the 22nd Tirthankara was related to/जैन परम्परा के अनुसार 22वें तीर्थंकर, नेमिनाथ इसके नाते में थे

(a) Krishna/कृष्ण (b) Udayana/उदयन

(c) Paraswara/पारस्वर (d) Bimbisara/बिंबिसार

Ans. (a) : जैन परम्परा के अनुसार 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ (अरिष्टनेमी) कृष्ण के नाते (रिश्तेदारी) में थे। महाभारत में अरिष्टनेमी को कृष्ण का चचेरा भाई बताया गया है। जैन ग्रंथ उत्तराध्यायन सूत्र में भी अरिष्टनेमी को कृष्ण का समकालीन बताया गया है। इन्होंने गिरनार पर्वत पर तपस्या की थी। जैन परम्परा में 21वें तीर्थंकर नमीनाथ को मिथिला नरेश जनक का पूर्वज बताया गया है।

35. The strict followers of Mahavira were known by which name?/महावीर के पक्के अनुयायी किस नाम से जाने जाते थे?

(a) Digambaras / दिगंबर

(b) Swetambaras / श्वेतांबर

(c) Brahmacharya / ब्रह्मचर्य

(d) None of the above / ऊपरी कोई नहीं

Ans. (a) : महावीर स्वामी (जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर) के अनुयायी दिगम्बर (आकाश ही जिनका वस्त्र है) के नाम से जाने जाते हैं। महावीर स्वामी के पूर्व तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने अपने अनुयायियों को निचले तथा ऊपरी अंगों को वस्त्र से ढकने की अनुमति दी थी जबकि महावीर स्वामी ने अपने अनुयायियों को सर्वथा वस्त्र त्याग करने का आदेश दिया था। सम्भवत: वे अपने अनुयायियों के जीवन में और भी अधिक संयम लान चाहते थे।

36. Which of the following was the real name of Lord Buddha?/भगवान बुद्ध का वास्तविक नाम निम्न में से कौन सा था?

(a) Siddhartha / सिद्धार्थ (b) Tathagata / तथागत

(c) Gautama / गौतम (d) Boudhayan/ बौधायन

Ans. (a) : भगवान बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ था। गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे। उनका जन्म 563 ई. पू. के लगभग कपिलवस्तु के लुम्बनी ग्राम के आम्र कुंज में एक शाल वृक्ष के नीचे हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्य गणराज्य के प्रधान थे तथा माता महामाया रामग्राम के कोलीय गणराज्य (देवदह कुल) के राजा अंजन की पुत्री थी। 29 वर्ष की आयु में गृहत्याग करने के पश्चात गौतम बुद्ध को उरुवेला (बोध गया) में निरंजना नदी के तट पर स्थित पीपल वृक्ष के नीचे 35 वर्ष की आयु में ज्ञान प्राप्त हुआ था। इस प्रकार ज्ञान प्राप्ति (सम्बोधि) के पश्चात वे सिद्धार्थ से भगवान बुद्ध बन गए।

37. The first royal king to patronise Buddhism was बुद्ध धर्म को प्रोत्साहन देने वाला पहला शाही राजा था

(a) Bindusara/बिंदुसार

(b) Chandragupta Maurya/चंद्रगुप्त मौर्य

(c) Ashoka/अशोक

(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : बुद्ध धर्म को प्रोत्साहन देने वाला पहला राजा अशोक था। मौर्य शासक सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के पश्चात ब्राह्मण धर्म को त्यागकर बौद्ध मतानुयायी बन गया। उसने अपने प्रथम लघु शिलालेख में बताया है कि वह ढाई वर्ष तक साधारण उपासक था और उसके पश्चात् उसने बौद्ध धर्म का विस्तार पूरे जम्बूद्वीप में किया। उसके शासनकाल में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में किया गया और इसके पश्चात् भारत के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य देशों (श्री लंका, मिस्र, ग्रीस, सीरिया आदि) में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भिक्षु भेजे गए। धर्म प्रचार हेतु जाने वाले भिक्षुओं का विवरण बौद्ध ग्रंथ महावंश में मिलता है। अशोक के पिता बिन्दुसार आजीवक मत के अनुयायी थे तथा उसके दादा चन्द्रगुप्त मौर्य जैन मत के अनुयायी थे।

नोट- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना है जो कि सही नहीं है।

38. The Abhidhamma Pitaka was composed in which Council?
कौन सी परिषद् में अभिधम्म पिटक की रचना हुई?

(a) Kashmir Council/ कश्मीर परिषद

(b) Rajgriha Council / राजगृह परिषद

(c) Vaishali Council / वैशाली परिषद

(d) Pataliputra Council / पाटलीपुत्र परिषद

Ans. (d) : अभिधम्म पिटक का संकलन तृतीय बौद्ध संगीति (पाटलिपुत्र, अध्यक्ष-मोगलिपुत्र तिस्स) में किया गया था। अभिधम्म पिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धान्त की दार्शनिक व्याख्या की गई है। इस पिटक के एक भाग कथावस्थु की रचना मोग्गलिपुत्र तिस्स ने की है।

नोट- प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन राजगृह मे अजातशत्रु के समय किया गया था। इसमें बुद्ध की शिक्षाओं को सुत्त पिटक एवं विनय पिटक में संकलित किया गया। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन वैशाली में कालाशोक के समय किया गया तथा चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुषाण शासक कनिष्क के समय कुण्डलवन (कश्मीर) में किया गया। चतुर्थ बौद्ध संगीति में विभाषाशास्त्र नामक टीका का संकलन किया गया था।

39. How is Buddha's first sermon at Saranath described?/बुद्ध के सारनाथ के पहले प्रवचन को कैसे वर्णित किया जाता है?

(a) Dharma Pravarthan /धर्म प्रवर्तन

(b) Dharma Chakra Pravarthan / धर्म चक्र प्रवर्तन

(c) Dharma Samagam/ धर्म समागम

(d) Madya Samagam / मध्य समागम

Ans. (b) : बुद्ध के सारनाथ के पहले प्रवचन को धर्म चक्र प्रवर्तन के रूप में वर्णित किया गया है। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महात्मा बुद्ध उरूवेला (बोधगया) से ऋषिपत्तन (सारनाथ, वाराणसी) आ गए और उन्होने यहीं पर सर्वप्रथम पाँच ब्राह्मण साथियों को (चक्रानुक्रम में चलाकर धर्म का राज्य स्थापित करना) कहा। इस घटना को बौद्ध कला में 'मृग रहित चक्र' द्वारा प्रदर्शित किया गया है। सम्राट अशोक ने सारनाथ में ही धमेख स्तूप का निर्माण करवाया था।

40. Which state was not situated in the south during Ashokan empire?/अशोक के साम्राज्य में कौन सा राज्य दक्षिण में स्थित नहीं था?

(a) Chola /चोला
(b) Pallav /पल्लव
(c) Pandya /पांड्या
(d) All of these /यह सभी

Ans. (b) : अशोक के साम्राज्य के दक्षिण में पल्लव राज्य स्थित नहीं था। अशोक के साम्राज्य में अफगानिस्तान से लेकर कर्नाटक तक का क्षेत्र शामिल था। उसके द्वितीय शिलालेख में चोल, पाण्डय, सत्तियपुत्त, केरलपुत्त तथा ताम्रपर्णि को सीमावर्ती राज्य बताया गया है। ये सभी तमिल राज्य थे और साम्राज्य के दक्षिण में स्थित थे। इसके विपरीत पल्लव वंश की स्थापना के बारे में प्राकृत भाषा के ताम्रलेखों से पता चलता है कि सिंहवर्मा ने तृतीय शताब्दी ई. के अंतिम चरण में इस वंश की स्थापना की थी तथा उसका उत्तराधिकारी शिवस्क-दशर्मा चतुर्थ शताब्दी ई. में शासक बना।

41. Who was Mauryan King who left the throne and became Jaina?/किस मौर्य राजा ने अपना सिंहासन छोड़ा और जैन बना?

(a) Bindusara/बिंदुसार
(b) Chandragupta Maurya/चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) Dasarath/दशरथ
(d) Kunal/कुनाल

Ans. (b) : सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना सिंहासन छोड़कर जैन धर्म को अपना लिया था। जैन परम्परा के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य (322-298 ई. पू.) अपने जीवन के अंतिम दिनों में जैन गुरु भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण की एवं जैन धर्म को अपना लिया था। उसके शासन काल के अन्त में मगध में 12 वर्षो का अकाल पड़ा था। चन्द्रगुप्त मौर्य जब इस समस्या से निपटने में असफल रहा तो उसने अपने पुत्र बिन्दुसार के पक्ष में सिहांसन त्यागकर भद्रबाहु के साथ श्रवणवेलगोला (मैसूर, कर्नाटक) चला गया और यहीं पर संल्लेखना पद्धति (उपवास द्वारा) द्वारा अपना प्राण त्याग दिया। वर्तमान में श्रवणवेलगोला की एक पहाड़ी को चंद्रगिरि कहा जाता है तथा यहीं पर चन्द्रगुप्त बस्ती नामक एक मंदिर स्थित है।

42. Which of the following statements about Arthashastra is/are correct?/अर्थशास्त्र के बारे में निम्न में से कौन सा/कौन से कथन सही है?

1. It is a treatise on Mauryan Political economy and administration.
वह मौर्यों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था और प्रशासन पर एक प्रबन्ध है।

2. Its date and authorship is a fully established fact beyond any controversy.
उसका काल और स्त्रोत विवाद के परे पूर्ण तरह से साबित हुआ है।

3. It is divided into 15 Adhikanras.
वह 15 अधिकरण में विभाजित किया गया है।

4. Its evidence is unfortunately not corroborated by any other source.
दुर्भाग्यवश किसी और स्त्रोत से उसके सबूत की परिपुष्टि नहीं की गयी।

Select the correct answer from the codes given below :/निम्न कोड़ से सही उत्तर चुनिएः

(a) 2 and 4 /2 और 4
(b) 3 and 4 / 3 और 4
(c) 1 and 2 / 1 और 2
(d) All of the above / ऊपरी सभी

Ans. (*) : कौटिल्य कृत अर्थशास्त्र मौर्य कालीन राजनीतिक अर्थव्यवस्था और प्रशासन पर लिखा गया एक प्रबन्ध है। अर्थशास्त्र 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण में विभाजित है और इसमें 6000 श्लोक है। अर्थशास्त्र के काल एवं स्त्रोत के सम्बंध में विवाद अभी बना हुआ है। कामन्दक के नीतिसार, दण्डि कृत दशकुमार चरित, विशाखदत्त कृत मुद्राराक्षस एवं बाणभट्ट कृत कादम्बरी जैसी रचनाओं में अर्थशास्त्र का रचनाकार कौटिल्य को माना गया है। इस प्रकार अर्थशास्त्र की परिपुष्टि अन्य स्त्रातों से भी होती है।

नोटः- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना है जो सही नहीं है।

43. The Mauryan Civil Servants were called by the general name of
मौर्यो लोक सेवकों का आम नाम था

(a) Amatyas/अमात्य (b) Rajukas/रजुक
(c) Mahamatras/महामात्र (d) Lipikaras/लिपिकर

Ans. (c) : मौर्य लोक सेवकों का आम नाम महामात्र था। मौर्य कालीन केंद्रीय प्रशासन के बारे में विस्तृत जानकारी अर्थशास्त्र से प्राप्त होती है। केन्द्रीय प्रशासन कई विभागों में विभाजित था जिसे 'तीर्थ' कहा जाता था। प्रत्येक विभाग का मुख्य अधिकारी (लोक सेवक) महामात्र/महामात्य कहलाता था। तीर्थ के अन्तर्गत कुल 18 विभाग आते थे।

44. Mark the correct number of spokes in Dhamma Chakra./धम्म चक्र के सही संख्या के आरों को चिह्नांकित कीजिए।

(a) 20 (b) 32
(c) 30 (d) 24

Ans. (d) : गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिया गया प्रथम धर्मोपदेश को धर्मचक्र प्रवर्तन कहा गया है। सम्राट अशोक ने सारनाथ सिंह स्तम्भ में प्रथम धर्मोपदेश को एकचक्र (धर्मचक्र) के रूप में अंकित करवाया है। इस धर्मचक्र में 24 आरों को चिन्हांकित किया गया है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज के मध्य की पट्टी में धर्मचक्र को स्थान दिया गया है। इसे अशोक चक्र भी कहते है। महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों के लिए 24 गुण बताए थे। इन 24 गुणों को ही सम्राट अशोक ने एक चक्र में 24 तीलियों के माध्यम से दर्शाया है।

45. The term "Dharmasthiya" used by Kautilya denoted/क्रौटिल्य ने उपयोग किया हुआ शब्द ''धर्मस्थीय'' यह दर्शाता है

(a) Educational institution / शिक्षा संस्था
(b) Religious institution / धार्मिक संस्था
(c) Judicial court / न्यायिक कचहरी
(d) Department of revenue / राजस्व विभाग

Ans. (c) : कौटिल्य द्वारा उपयोग किया हुआ शब्द 'धर्मस्थीय' न्यायिक कचहरी को दर्शाता है, मौर्यकाल के प्रशासन के बारे में जानकारी का स्रोत अर्थशास्त्र है। इसमें मौर्य कालीन ग्राम संघ एवं राजा के न्यायालय के अतिरिक्त कंटक शोधन (फौजदारी न्यायालय) तथा धर्मस्थीय (व्यावहारिक न्यायालय) न्यायालय का उल्लेख मिलता है। धर्मस्थीय न्यायालय के अन्तर्गत विवाह, स्त्रीधन, तलाक घर, खेत आदि मामलों पर विचार किया जाता था।

46. Evidence of Roman trade with South India is available from the excavations at
दक्षिण भारत का रोम से व्यापार का सबूत यहाँ की खुदाई से मिलता है

(a) Arikamedu and Alagangulam
अरिकामेडू और अलगंगुलम्
(b) Arikamedu and Kanyakumari
अरिकामेडू और कन्याकुमारी
(c) Kanyakumari and Kodungallur
कन्याकुमारी और कोडंगल्लूर
(d) Alagangulam, Arikamedu and kodungallur
अलगंगुलम्, अरिकामेडू और कोडंगल्लूर

Ans. (d) : अरिकामेडू, कोडंगल्लूर (क्रांगानोर) और अलगंगुलम के उत्खनन से प्राप्त साक्ष्यों से दक्षिण भारत और रोम के मध्य व्यापार का विवरण मिलता है। तमिल संगम साहित्य, नेचुरल हिस्ट्री (प्लिनी), पेरिप्लस ऑफ दि इरीथ्रियन सी आदि से भारत-रोम के मध्य होने वाले व्यापार एवं महत्त्वपूर्ण बंदरगाहों का उल्लेख मिलता है। भारत का रोम से व्यापार का साक्ष्य नेवासा (महाराष्ट्र), काञ्चीपुरम (तमिलनाडु), नागार्जुनकोण्डा (आंध्र प्रदेश), चन्द्रकेतु गढ़, तामलुक (बंगाल) आदि स्थानों से भी प्राप्त हुआ है।

नोट : DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) माना है जो सही नहीं है।

47. Match of the following authors with their literary works./निम्न लेखक और उनकी साहित्य कृति की जोड़ी बनाईए :

A.	Ashwaghosha अश्वघोष	1.	Gathasapthasati गाथासप्तसति
B.	Patanjali/पतंजलि	2.	Sariputraprakarana सरिपुत्रप्रकरण
C.	Hala/हाल	3.	Mahabhashya महाभाष्य
D.	Bhasa/भास	4.	Swapnavasavadatta स्वप्नवासवदत्ता

Codes :/कोड़ :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	1	3	4
(c)	3	2	1	4	(d)	2	3	1	4

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची इस प्रकार है–
1. अश्वघोष – सारिपुत्र प्रकरण
2. पतंजलि – महाभाष्य
3. हाल – गाथासप्तसति
4. भास – स्वप्नवासवदत्ता

48. The first epigraphic reference of committing Sati (of A.D. 510) has been found from
सती प्रथा का (ई. स. 510) पहला शिलालेखी सन्दर्भ यहाँ से मिला है

(a) Erau (M.P.)/इराउ (एम.पी.)
(b) Prayaga (U.P.)/प्रयाग (यू.पी.)
(c) Bhitai (U.P.)/भिताई (यू.पी.)
(d) Vidisha (M.P.)/विदिशा (एम.पी.)

Ans. (a) : गुप्त शासक भानुगुप्त के एरण (इराउ,मध्य प्रदेश) अभिलेख (510 ई.) से सती होने का प्रथम शिलालेखी प्रमाण मिलता है। इस अभिलेख में सेनापति भोजराज की युद्ध में मृत्यु के पश्चात उसकी पत्नी के सती (चिता पर स्वयं जलना) होने का उल्लेख मिलता है।

49. Which secular work describes Rama's invasions of Ceylon?/क्रौन सी लौकिक रचना राम का सिलोन पर आक्रमण वर्णन करता है?

(a) Gadhayuddha/गदायुद्ध
(b) Setu Bandu/सेतुबन्दु
(c) Shapatashataka/शपतशतक
(d) Karpoora Manjari/कर्पूर मंजरी

Ans. (b) : वाकाटक नरेश प्रवरसेन द्वितीय ने प्राकृतिक भाषा में सेतुबंध (रावणाहो) नाम से कविता लिखा था। इसमें राम द्वारा सिलोन पर आक्रमण किए जाने का उल्लेख है।

50. The language of the Sangam literature was संगम साहित्य की भाषा थी

(a) Sanskrit/संस्कृत (b) Telugu/तेलुगु

(c) Tamil/तमिल (d) Brahmi/ब्राह्मी

Ans. (c) : संगम साहित्य की भाषा तमिल थी। संगम साहित्य की रचना पाड्य शासकों के समय आयोजित तीन संगम के दौरान किया गया था। सम्पूर्ण संगम साहित्य की संख्या लगभग 2389 है, जिसे 473 कवियों ने लिखा था। प्रमुख संगम साहित्य – तिरुवल्लूवर की कुरल, एट्टूतोकोई, तोलक्कापियम कृत व्याकरण, पत्तुप्पातु, शिलप्पादिकारम्, मणिमेखलै, जीवक चिंतामणि आदि हैं।

51. Two-storeyed vihar of the rock-cut order was made at/चट्टान को काटकर बनाया गया दो मंजिला विहार यहाँ बनाया गया

(a) Karle/कारले (b) Bedsa/बेड़सा

(c) Bhaja/भाजा (d) Nasik/नासिक

Ans. (a) : कारले या कार्ले (पुणे, महाराष्ट्र) में चट्टान को काटकर दो मंजिला विहार बनवाया गया था। कार्ले में 4 गुहाओं में से 1 चैत्य गृह तथा 3 विहार है। विहार के आगे का भाग दो मंजिला है और निचले भाग में तीन दरवाजें बने हुए थे। यहाँ के एक विहार को 'हरकान' नामक पारसीक ने दान दिया था। वह सातवाहन राजा गौतमीपुत्र सातकर्णी का राज्यपाल था। कार्ले का प्रवेशद्वार (कीर्तिमुख) सूर्यद्वार कहलाता था। भाजा एवं कार्ले का स्तूप (हीनयान से सम्बन्धित) स्थापत्य 'अश्वनालवातायन' के नाम से जाना जाता था।

52. What is a Prashasti? 'प्रशस्ती' क्या है?

(a) Private endowment /नीजि वृत्तिदान

(b) Eulogy of a king / राज प्रशंसा

(c) Royal charter / शाही सनद

(d) Copper Plate / तांबे की प्लेट

Ans. (b) : 'प्रशस्ती' राज (राजा) की प्रशंसा है। सम्राट अशोक के पश्चात अभिलेखों को सरकारी अभिलेख एवं निजी अभिलेख में विभाजित किया गया। सरकारी अभिलेख के अन्तर्गत राजकवियों द्वारा लिखी हुई प्रशस्तियाँ एवं भूमि अनुदान-पत्र शामिल है। प्रशस्तियों में श्रेष्ठ उदाहरण समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति (अभिलेख) है जिसमें उसकी विजयों एवं नीतियों का पूर्ण विवेचन मिलता है। अन्य प्रशस्तियों में भोज की ग्वालियर प्रशस्ति, कलिंगराज खारवेल का हाथीगुंफा अभिलेख, गौतमी बल श्री नासिक अभिलेख, रुद्रदामा का गिरनार शिलालेख आदि प्रमुख है। इन प्रशस्तियों में राजा की उपलब्धियों, विजयों एवं नीतियों का विस्तार से वर्णन मिलता है। निजी अभिलेख अधिकाँशत: मंदिरों में या फिर मूर्तियों पर उत्कीर्ण मिलते है।

53. The common coins used in Gupta age, due to the decline in trade were/व्यापार कम होने के कारण गुप्त काल में साधारण सिक्के इसके थे

(a) Copper /ताँबा (b) Iron/लोहा

(c) Cowries /कौड़ी (d) Silver /चाँदी

Ans. (c) : व्यापार कम होने के कारण गुप्त काल में साधारण सिक्के कौड़ी के थे। गुप्तकालीन राजाओं ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ जारी की, जिसे 'दीनार' कहा जाता था। इनका उपयोग अधिकारियों के वेतन चुकाने, भूमि की खरीद-बिक्री संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति में किया जाता था। कुषाणों के विपरीत गुप्त काल में ताँबे के सिक्के बहुत कम मिलते हैं। गुजरात विजय के पश्चात गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी का सिक्का जारी किया किन्तु इसका प्रचलन स्थानीय लेन-देन में होता था क्योंकि पश्चिमी क्षत्रपों के राज्य में विनिमय का माध्यम चाँदी के सिक्के थे। गुप्त काल में शिल्प, वाणिज्य तथा शहरी केंद्रों में गिरावट के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का तेजी से ग्रामीणीकरण शुरू हुआ। अत: धातु के सिक्कों की कमी के कारण गुप्त साम्राज्य में विनिमय का माध्यम कौड़ी था, जिन्हें स्थानीय स्तर पर साधारण सिक्का कहा जाता था।

54. Who built the Sudharshan lake of Saurashtra? सौराष्ट्र का सुदर्शन सरोवर किसने बनवाया?

(a) Chandragupta Maurya /चंद्रगुप्त मौर्य

(b) Pushpagupta / पुष्पगुप्त

(c) Ashoka / अशोक

(d) Tushashp / तुशाष्प

Ans. (b) : सौराष्ट्र का सुदर्शन सरोवर चंद्रगुप्त मौर्य के समय सौराष्ट्र प्रांत के गवर्नर (पुष्पगुप्त) ने बनवाया था। इसका पुनर्निर्माण सम्राट अशोक के समय यवनराज तुषास्प ने तथा रुद्रदामन के समय गवर्नर सुविशाख ने करवाया था। स्कंदगुप्त के जूनागढ़ अभिलेख से ज्ञात होता है कि गवर्नर पर्णदत्त के पुत्र चक्रपालित ने सुदर्शन बाँध टूट जाने पर इसका पुनर्निर्माण करवाया था।

55. Which Vakataka ruler married the daughter of Chandragupta II?/कौन से वाकाटक शासक ने चंद्रगुप्त II की बेटी से शादी की?

(a) Rudrasena II /रूदसेन II

(b) Rudrasena / रूदसेन

(c) Narendrasena / नरेंद्रसेन

(d) Pravarasena / प्रवरसेन I

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त द्वितीय ने वाकाटकों से मित्रतापूर्ण सम्पर्क स्थापित करते हुए अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय के साथ किया था। इस मैत्री सम्बन्ध से वाकाटक साम्राज्य अपने पड़ोसी राज्य कुंतल के शासकों से सुरक्षित हो गया। रुद्रसेन द्वितीय की मृत्यु के पश्चात प्रभावती वाकाटक साम्राज्य की संरक्षिका बन गई और इसी समय चन्द्रगुप्त द्वितीय का प्रभाव वाकाटक साम्राज्य पर बढ़ गया था। अपने पिता के संरक्षण में प्रभावती गुप्ता वाकाटक साम्राज्य का संचालन कर रही थी।

56. **Forced labour during the Gupta period is referred to as/बेगारों को गुप्त काल में कहते थे**

(a) Vishti/विष्टी (b) Shudra/शुद्र

(c) Vaisheshika/वैशेषिक (d) Vali /वाली

Ans. (a) : गुप्तकाल में बेगारों को 'विष्टी' कहते थे। गुप्तकाल में बेगार प्रथा (बलात श्रम) प्रचलित था। इस प्रथा के अन्तर्गत वे गरीब व्यक्ति, जो नकद या अनाज के रूप में सरकार को कर नहीं दे पाते थे, उन्हें महीने में एक या दो दिन राज्य (सरकार) के लिए काम करना पड़ता था। भूमिदान के कारण गुप्तकाल में बेगारी प्रथा तेजी से बढ़ी थी।

57. **Kalhana's Rajatarangini is a historical work on क़ल्हण की राजतंरगिणी यह एक ऐतिहासिक रचना है**

(a) Malwa /मालवा पर

(b) Kashmir / कश्मीर पर

(c) Vaishali / वैशाली पर

(d) Pataliputra / पाटलीपुत्र पर

Ans. (b) : कल्हण की राजतरंगिणी कश्मीर (कार्कोट वंश, उत्पल वंश एवं लोहार वंश) पर लिखित ऐतिहासिक रचना है। इसका प्रारम्भ महाभारत काल से होता है। राजतरंगिणी का अर्थ है, राजाओं का इतिहास/राजाओं की नदी। इसकी रचनाकाल 1148 से 1150 ई. तक मानी जाती है। इसमें 8 तरंग एवं 8000 श्लोक है। इसमें ऐतिहासिक घटनाओं का क्रमबद्ध उल्लेख किया गया है।

58. **Name the river, on whose Bank was the city of Vijayanagara located.**
उस नदी का नाम बताइए, जिसके किनारे पर विजयनगर का शहर स्थित है।

(a) Kaveri/कावेरी (b) Krishna/कृष्णा

(c) Wainganga/वेनगंगा (d) Thungabhadra/तुंगभद्रा

Ans. (d) : तुंगभद्रा नदी के तट पर विजयनगर का शहर स्थित था। मुहम्मद बिन तुगलक के समय हरिहर एवं बुक्का ने 1336 ई. में तुंगभद्रा नदी के तट पर विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की उन्होंने अपने पिता के नाम पर साम्राज्य का नाम संगम वंश रखा। तुलुव वंश के राजा कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक थे।

59. **The founder of the Shatavahana dynasty is सातवाहन राजवंश के संस्थापक थे**

(a) Simukha /सिमुख

(b) Yajnashri Satakarni/यज्ञश्री सातकर्णी

(c) Pulamayi I/पुलमयी I

(d) Sri Shatakarni/श्री सातकर्णी

Ans. (a) : सातवाहन साम्राज्य का संस्थापक सिमुक (सिमुख) था। प्राचीन भारतीय साहित्य में इसे आंध्र सातवाहन राजवंश कहा गया है। इस वंश के राजाओं में शातकर्णी प्रथम, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वासिष्ठीपुत्र शातकर्णी, यज्ञ श्री शातकर्णी आदि प्रसिद्ध थे जिन्होंने साम्राज्य का विस्तार किया था। सातवाहन साम्राज्य के अन्तर्गत वर्तमान के आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्य शामिल थे। सातवाहन की राजकीय भाषा संस्कृत और मराठी, प्राकृत थी।

60. **The Pandyan empire was finally absorbed into the/आखिरकार पांड्यन साम्राज्य इसमें विलीन हो गया**

(a) Sultanate of Delhi /दिल्ली की सल्तनत

(b) Vijayanagara / विजयनगर

(c) Chera / चेरा

(d) Mughal empire / मुगल साम्राज्य

Ans. (a) : पाड्य साम्राज्य को अंतिम रूप से दिल्ली की सल्तनत में विलीन कर दिया गया। अलाउद्दीन खिलजी के समय 1311 ई. में पाड्य (मदुरा) राज्य पर आक्रमण किया गया। इस समय यहाँ पर दो भाईयों वीर पाण्ड्य एवं सुन्दर पाण्ड्य के मध्य सिंहासन को लेकर विवाद चल रहा था। सुन्दर पाण्ड्य ने अलाउद्दीन से मदद माँगी परिणाम स्वरूप अलाउद्दीन ने अपने सेनापति मलिक काफूर को पाण्ड्य राज्य पर आक्रमण करने का आदेश दिया, मलिक काफूर यहाँ से अधिक से अधिक धन लेकर चला गया। 1329 ई. में मुहम्मद बिन तुगलक के समय भी पाण्ड्य राज्य पर आक्रमण किया और यहाँ पर विजयोपरांत सुल्तान ने प्रांतपति को नियुक्त किया था।

61. **The Rashtrakutas were the successors of the राष्ट्रकूट इनके उत्तराधिकारी थे**

(a) Vakatakas /वाकाटक

(b) Chalukyas of Kalyani /कल्याणी के चालुक्य

(c) Chalukyas of Badami /बादामी के चालुक्य

(d) Pallavas of Kanchi /कांची के पल्लव

Ans. (c) : राष्ट्रकूटों का उदय दक्कन में हुआ था। वे बादामी (कर्नाटक) के चालुक्यों के उत्तराधिकारी (सामंत) थे। 8वीं सदी के मध्य राष्ट्रकूट शासक दन्तिदुर्ग ने चालुक्यों की अधीनता से मुक्त होकर स्वतंत्र राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की और हिरण्यगर्भ (सोने का गर्भ) नामक अनुष्ठान किया।

नोटः DSSSB ने अपनी अंतिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है जो कि गलत है।

62. **The temples found in Alhole are ऐहोल में मिले मंदिर हैं**

1. Meguti Shivalaya/ मेगुती शिवालय

2. Ladhkhan Temple/ लडखन मंदिर

3. Jain temple/ ज़ैन मंदिर

4. Durga temple/ दुर्गा मंदिर

5. Huchimalligudi/ हुचीमल्लीगुडी

Choose the correct answer group.
सही उत्तर समूह चुनिए :

(a) 1, 2, 5 /1, 2, 5
(b) 2, 3, 4 and 5 /2, 3, 4 और 5
(c) 1, 2 and 4 / 1, 2 और 4
(d) 2, 3 and 5 / 2, 3 और 5

Ans. (b) : बादामी के चालुक्य राजाओं ने एहोल (कर्नाटक) में मेगुती जैन मंदिर, ज्योतिर्लिंग समूह मंदिर (शिव गुफा), रावणपद्दी गुफा मंदिर, दुर्गा मंदिर, लडखन मंदिर तथा हुचीमल्लीगुड़ी मंदिर का निर्माण करवाया था।
नोटः DSSSB ने प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना है जो कि सही नहीं है क्योंकि मेगुती शिवालय न होकर एक जैन मंदिर है।

63. The Khajuraho temples were built by
खुजराहो के मंदिर इन्होंने बनवाये

(a) Chalukyas / चालुक्य
(b) Chauhans/ चौहान
(c) Paramaras / परमार
(d) Chandellas / चंदेल

Ans. (d) : खजुराहो (मध्य प्रदेश) में मंदिरों का निर्माण चंदेल वंश के राजाओं ने करवाया था। खजुराहो में कलाकारों ने हिन्दू कला और संस्कृति को पत्थरों पर उत्कीर्ण किया है। यहाँ पर हिन्दू एवं जैन मंदिरों का निर्माण करवाया गया था। यहाँ के प्रसिद्ध मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर, लक्ष्मी मंदिर, वराह मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, सिंह मंदिर, देवी जगदम्बा मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर आदि हैं इसके अतिरिक्त पार्श्वनाथ, शांतिनाम जैसे जैन तीर्थंकरों के मंदिर भी यहाँ पर बने हुए है। यहाँ पर एक जैन संग्रहालय भी स्थित है।

64. Alberuni visited India with which Muslim invader?/क्रौन से मुस्लिम हमलावर के साथ अलबेरूनी भारत आया ?

(a) Mohammud of Ghazni / मोहम्मद गज़नी
(b) Mohammad Ghori / मोहम्मद गोरी
(c) Mohammad-bin-Qasim / मोहम्मद-बिन-कासिम
(d) None of the above / इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : अल्बरूनी मुस्लिम हमलावार मोहम्मद गजनी के साथ भारत आया था। अलबरूनी अपनी मातृभाषा फारसी के अतिरिक्त सीरियाई,यूनानी एवं संस्कृत भाषा का ज्ञाता था। उसने गणित एवं खगोलविज्ञान का ज्ञान अबू नस्त्र मंसूर से प्राप्त किया था। उसने भारतीय धर्मग्रंथों का अध्ययन किया और भारतीय समाज एवं भौगोलिक स्थिति का वर्णन अपनी पुस्तक तहकीक-ए-हिन्द (किताब-उल-हिन्द) में विस्तार से किया।

65. Raziya was close to which of these nobles?
निम्न में से कौन से कुलीन के साथ रज़िया निकट थी?

(a) Qubacha /कुबाचा
(b) Jalauddin Yakut /जलालुद्दीन याकूत
(c) Nasiruddin Mahmud /नसिरूद्दीन महमूद
(d) None of these /इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : जलालुद्दीन याकूत (अबीसीनियन हब्सी) नामक कुलीन के साथ रजिया (इल्तुतमिश की पुत्री) का निकट सम्बन्ध था। रजिया ने याकूत को 'अमीर-ए-आखूर' के पद पर नियुक्त किया था। याकूत को यह पद दिए जाने के कारण तुर्की अधिकारी अप्रसन्न हो गए थे। वास्तव में रजिया चालीसा दल (तुर्क अमीरों का समूह) के प्रभाव को कम करने के लिए गैर-तुर्क अमीरों का एक गुट बनाना चाहती थी।

66. When Taimur invade, which dynasty ruled over India?/तैमूर के हमले के समय भारत में किस राजवंश का शासन था?

(a) Lodhi/लोदी (b) Tughlaq/तुगलक
(c) Saiyyid/सैय्यद (d) Khilji/खिलजी

Ans. (b) : भारत पर 1398 ई. में तैमूर ने आक्रमण किया था। उसके आक्रमण के समय दिल्ली की गद्दी पर तुगलक वंश के अंतिम सुल्तान नासिरुद्दीन महमूदशाह का शासन था। तैमूर के आक्रमण के समय महमूदशाह गुजरात भाग गया और फरवरी 1412 में कैथल के निकट उसकी मृत्यु हो गई। भारत से वापस जाते समय तैमूर ने खिज्र खाँ को मुल्तान, लाहौर एवं दीपालपुर का सूबेदार नियुक्त किया था। बाद में खिज्र खाँ ने 1414 में सैय्यद वंश की स्थापना की।

67. Sher Shah is considered to be the fore-runner of Akbar in administration because/प्रशासन में शेर-शाह को अकबर का अग्रदूत मानते हैं क्योंकि

(a) his administrative policies were adopted by Akbar/उसकी प्रशासनिक नीतियाँ अकबर ने अपनाई
(b) he ruled before Akbar
अकबर के पहले उसका शासन था।
(c) he trained Akbar in administration
उसने अकबर को प्रशासन में प्रशिक्षित किया
(d) he supervised Akbar's administration
उसने अकबर के प्रशासन की देख रेख की

Ans. (a) : प्रशासन में शेरशाह को अकबर का अग्रदूत माना जाता हैं क्योंकि उसकी प्रशासनिक नीतियों को अकबर ने अपनाया था। शेरशाह सूरी को शासन का अनुभव अपने पिता की जागीर को सम्भालते हुए हुआ था। जलाल खान के संरक्षण एवं बाबर तथा हुमायूँ के सम्पर्क में आने के बाद शेरशाह को प्रशासनिक संगठन एवं कार्यों के बारे जानकारी प्राप्त हुई। उसने राजस्व प्रशासन, सैन्य प्रशासन एवं न्यायिक प्रशासन की ओर विशेष ध्यान दिया और उसका गठन इस प्रकार किया था कि उसकी प्रशासनिक योग्यता से कोई भी प्रभावित हो सकता था। उसकी प्रशासनिक नीतियों को कुछ सुधारों के साथ अकबर ने अपने साम्राज्य में लागू किया। यही वजह हैं कि शेरशाह को अकबर का अग्रदूत माना जाता है।

68. **Who built the precious Pillar of Chittor (Kirti Stamba)?/चित्तौड़ का अमूल्य स्तंभ (किर्ती स्तंभ) किसने बनवाया?**

(a) Rana Kumba / राणा कुंभा
(b) Rana Sanga / राणा सांगा
(c) Rana Maldev /राणा मालदेव
(d) None of these / इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : चित्तौड़ (राजस्थान) का अमूल्य स्तम्भ (कीर्ति स्तम्भ) का निर्माण महाराणा कुम्भा ने विजय स्तम्भ के रूप में करवाया था। महाराणा कुम्भा ने इस स्तम्भ का निर्माण मालवा के सुल्तान महमूदशाह खिलजी को युद्ध में पराजित करने के बाद बनवाया था। यह स्तम्भ एक मीनार है तथा इसके ऊपर झरोखे बने हुए है।

69. **Lakh Baksh was the title of लाख बक्श इसका खिताब था**

(a) Aibak /ऐबक
(b) Balban /बलबन
(c) Iltumish /इल्तुमिश
(d) Jalaluddin-Yakut /जलालुउद्दीन याकूत

Ans. (a) : लाख बख्श (लाखों का दान करने वाला) उपाधि मामलूक वंश के शासक कुतुबुद्दीन ऐबक को दिया गया था। लाख बख्श के अतिरिक्त उसे पील बख्श (हाथियों का दान देने वाला), कुरान ख्वाँ (कुरान को सुरीली आवाज में पढ़ने वाला), हातिम द्वितीय आदि उपाधियाँ दी गई थी। ऐबक की कर्त्तव्यनिष्ठा से प्रसन्न होकर मुहम्मद गोरी ने उसे मलिक एवं सिपाहसालार की उपाधि दी थी।

70. **Ahmed Shah Abdali belonged to which clan? अहमद शाह अब्दाली क़ौन से कुल का था?**

(a) Irani / इरानी (b) Turani /तुरानी
(c) Afghani /अफ़गानी (d) Durani /दुरानी

Ans. (d) : अहमदशाह अब्दाली दुर्रानी (दुरानी) कुल से सम्बन्धित था। वह नादिरशाह की मृत्यु के पश्चात 1748 में अफगानिस्तान का शासक और दुर्रानी साम्राज्य का संस्थापक बना। उसने भारत पर 1748 से 1769 के मध्य 6 बार आकमण किया था। उसके आक्रमण के समय (23 जनवरी, 1757) दिल्ली में मुगल बादशाह आलमगीर द्वितीय था। 1748 में उसके प्रथम आक्रमण के समय मुगल बादशाह मुहम्मदशाह था। अब्दाली ने दिल्ली के पश्चात मथुरा वृंदावन एवं आगरा पर आक्रमण कर लूट-पाट मचाई उसका छठा आक्रमण 1767 में हुआ था।

71. **Krishnadevaraya belonged to the कृष्णदेवराय इससे सम्बन्ध रखता था**

(a) Sangam dynasty / संगम राजवंश
(b) Saluva dynasty /सलुव राजवंश
(c) Tuluva dynasty /तुलुव राजवंश
(d) Aravidu dynasty /अराविडु राजवंश

Ans. (c) : कृष्णदेवराय तुलुव राजवंश से सम्बन्धित थे। तुलुव राजवंश की स्थापना वीर नरसिंह ने 1505 में अंतिम सालुव वंश के शासक इमाड़ि नरसिंह की हत्या करके की थी। कृष्णदेवराय (1509-1529) तुलुव वंश के सर्वश्रेष्ठ राजा थे। उन्होंने अपनी माँ की याद में नागलापुर नामक शहर बसाया था। उन्होंने आमुक्तमाल्यद (तेलुगु), जामवती कल्याणम, ऊषापरिणय जैसी पुस्तकों को लिखा था। उनके दरबार में तेलगु भाषा के आठ कवि निवास करते थे जिन्हें 'अष्टदिग्गज' कहा जाता था। बहमनी सुल्तान महमूदशाह द्वितीय को बीजापुर एवं बीदर की कैद से मुक्त कराने के कारण कृष्णदेवराय को 'यवनराज स्थापनाचार्य' की उपाधि दी गई।

72. **The Bahmani Sultan who shifted the capital from Gubarga to Bidar was/बहमनी सुल्तान जिसने राजधानी गुलबर्गा से बीदर बदल दी**

(a) Muhammad Gawan /मुहम्मद गवा
(b) Ahmad Shah / अहमद शाह
(c) Nizam Shah / निज़ाम शाह
(d) Mahmud Shah / महमूद शाह

Ans. (b) : बहमनी सुल्तान अहमद शाह ने राजधानी गुलबर्गा के स्थान पर बीदर स्थानान्तरित की बहमनी सुल्तान फिरोजशाह के पश्चात अमहदशाह सुल्तान बनता है। सूफी संत गेसूदराज का वह शिष्य था। संत गेसूदराज उसे वली या संत कहते थे। वारंगल पर विजय प्राप्त करने के पश्चात् उसे अपने साम्राज्य में मिला लिया। उसने नवविजित प्रदेशों पर अपने शासन को सुदृढ़ करने के लिए बीदर को राजधानी बनाया तथा इसके पश्चात् मालवा, गोंडवाना और कोंकण की ओर अभियान प्रारम्भ किया।

नोटः- DSSSB ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) को सही माना है जो कि गलत है।

73. **Put in correct chronological sequence, the successors of Shiva ji :/शिवाजी के उत्तराधिकारियों को कालानुक्रमिक शृंखला में सजाईयेः**

1. Sahu / शाहू
2. Shivaji II/ शिवाजी II
3. Rajaram/ राजाराम
4. Sambhaji / संभाजी
5. Ram Raja/ राम राजा

Choose the correct answer group: सही उत्तर समूह का चयन कीजिएः

(a) 4, 3, 2, 1, 5
(b) 2, 1, 5, 3, 4
(c) 5, 4, 2, 1, 3
(d) 1, 2, 3, 5, 4